



जालोर

Rashtradoot

फोन:- 226422, 226423 फैक्स:- 02973-226424

वर्ष: 19 संख्या: 293

प्रभात

जालोर, बुधवार 29 जनवरी, 2025

पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24

पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दिल्ली के चुनाव में भाजपा व कांग्रेस की ओर से “लोकल फ्लेवर” की कमी दिख रही है

दोनों पार्टियों के पास मु.मंत्री के रूप में “प्रोजैक्ट” करने वाला चेहरा नज़र नहीं आ रहा, भाजपा, अब तक की बाहरी व्यक्ति को मु.मंत्री के रूप में “प्रोजैक्ट” करने की रणनीति कामयाब नहीं होते देख, मु.मंत्री के मुद्दे पर चुप हैं

-रेप पितल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-
नई दिल्ली, 28 जनवरी कांग्रेस ने दिल्ली में अपना चेहरा हुआ आधार पुनः प्राप्त करने तथा सत्ता में वापसी की कोशिश करने का एक बहुत बड़ा अवसर खो दिया है।

यह कहना अजीब लग सकता है कि कांग्रेस ने दिल्ली के चुनावों के गम्भीरता से नहीं लिया, यही नहीं कि जेरीवाल के खिलाफ अवधार माकर के देशद्रोही वाले बयान की कारण अपनी चुनावी सम्पादनाओं की पूरी तरह डुबो देने की सीमा तक पहुँच गई।

आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता तेजी से घट रही है। तथा भाजपा, पिछले 26 साल से सत्ता में रहा होने के कारण, पूरी तरह इस और चुनाव स्थिति में अपनी वापसी की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस, जो गहरी नींद में सोई हुई लग रही थी, अब जाग पड़ी दिखाई दे रही है।

राहुल गांधी ने आज शाम

- कांग्रेस अब सोते से जागी है तथा राहुल गांधी ने पटपड़गंज और ओखला में रेली आयोजित की। पर, उनका रैली में हुआ भाषण “ऑल इंडिया थीम”, जैसे अंबानी, अडानी, जातिगत जनगणना, जीएसटी, संविधान पर ही केन्द्रित रहा।
- भाजपा व कांग्रेस, केरीवाल व आप के शासन का अंत देखना चाहते हैं, पर, दोनों के लिये यह संभव नहीं हो पा रहा कि एक दूसरे से लड़ना छोड़कर केरीवाल को हराने पर ध्यान लगायें।

पटपड़गंज और ओखला में दो सभाओं उसी पुराने पैटेन के ही थे-मीडिया पर का सम्बोधित की। बया पार्टी को हमला, भाजपा का बड़े उद्योगात्मकों के केरीवाल और भाजपा के खिलाफ हाथों में खेलना, अडानी, अंबानी तथा अपना सब कुछ दौंब पर नहीं लगा देना अन्य बड़े व्यवसायी, जातिगत चाहिए था और दिल्ली में अनिगत जनगणना, जीएसटी, संविधान तथा सभाएं और रोड शो करने के अपने उनके रैली में खेलना चाहिए था।

आज राहुल ने अपने भाषणों में रंग का, दिल्ली के मुद्दों का अभाव था।

केरीवाल और भाजपा पर हमला तो वे केरीवाल के खिलाफ बोला, लेकिन वापस अधिकांशतः बोलो। उन्होंने कहा कि केरीवाल ने

दिल्ली में बिलकुल अलग ढंग तथा स्वच्छ राजनीति का वादा किया था, लेकिन अन्त में वे शारब शोटाले के शिल्पी ही सिद्ध हुये तथा इसके लिये उन्हें उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा आप के अन्य नेताओं को जेल जाना पड़ा।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही आम आदमी पार्टी और केरीवाल को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रही है, लेकिन दोनों ही प्राइवेटों के पास स्थानीय कावाकर नेताओं हाँ, जो पार्टी के चेते बन सके तथा उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट किया जा सके।

भाजपा समय-समय पर बाहरी नेताओं के नेतृत्व के लिये लाती रही, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें उभरने और उठने नहीं हाँ।

कांग्रेस के बहुत से दिग्गज पार्टी छोड़ गये हैं और पार्टी में अब ऐसे नेताओं का अभाव है, जिन्हें प्रोजेक्ट किया जा सके।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘अधिकारी हाजिर होकर बतायें फ्लाई ओवर कब पूरा होगा’

जयपुर, 28 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने एनएचआई के अधिकारियों सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को 29 जनवरी को पेश होकर बताने को कहा है कि जयपुर-अजमेर हाईकोर्ट पर आवेदन भांकरोटा के पास बन रहे फ्लाईओवर का काम कब तक पूरा कर लिया जाएगा। जर्सिस इन्होंने सिंह आवेदन भांकरोटा के पास बन रहे फ्लाईओवर का खंडपैट के बाहर भांकरोटा पर ध्यान लगायें।

सुनवाई के दौरान एनएचआई

सैम पित्रोदा ने एक बार फिर तूफान खड़ा किया अपनी टिप्पणी से

पित्रोदा ने कहा कि जो भी, जिस देश के लोग चाहे गैर कानूनी तरीके से भारत आ रहे हों, उन्हें आने देना चाहिये

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी।

अप्रवासियों के बारे में अपनी टिप्पणीयों के बारे में एक बार फिर से विवादों में गए हैं। पित्रोदा ने कहा है कि अवैध अप्रवासियों को भारत में रहने की इजाजत होनी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे “शर्मनाक, अत्यधिक अप्रवासनजनक और राज्यमेंद्रियां दिए हैं।

बिना तारीख वाले एक खंडपैट के बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

विवाद के बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो कोई बात नहीं है।

इसके बारे में गए हैं, तो

